क्या आपकी कहानी अलग है?

IndianLegacies.com के पाठकों और श्रोताओं से लेखक का एक निवेदन

लेखक — संजय कुमार राय

नमस्कार।

IndianLegacies.com पर आपका स्वागत है। हो सकता है, किसी परिचित ने आपको इस वेबसाइट का लिंक भेजा हो। हो सकता है, यहाँ प्रकाशित किसी रचना का शीर्षक देखकर आप स्वयं आए हों। आगे बढ़ने से पहले आप यह जानना चाहेंगे कि यह पुस्तक किसके लिए है, इसे पढ़ने या सुनने में आपकी रुचि क्यों हो सकती है, और शुरुआत कहाँ से करें। मैं इन्हीं बातों पर आपसे सीधे बात करना चाहता हूँ।

सबसे पहले, यह आमंत्रण किसके लिए है?

आप किसी भी लिंग, धर्म या जाति से हों, यह पुस्तक आप पढ़ सकते हैं और इसका ऑडियो सुन सकते हैं। आप किसी धार्मिक आस्था को मानते हों, अनेक परंपराओं से जुड़े हों या किसी धर्म का पालन न करते हों, आपका यहाँ समान रूप से स्वागत है।

यही बात आपकी भाषा, शिक्षा, आय और पेशे पर भी लागू होती है। आप गाँव में रहते हों, छोटे कस्बे में या बड़े शहर में। आप आजीविका के लिए काम करते हों, अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हों, घर सँभालते हों या सेवानिवृत्त हो चुके हों। यहाँ प्रकाशित रचनाएँ आपके लिए भी उपलब्ध हैं। साहित्य में अपनी रुचि तय करने का अधिकार हर पाठक का है।

काम और जीवन की अलग-अलग परिस्थितियों से आने वाले पाठकों के लिए

मैं कुछ लोगों का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता हूँ, ताकि मेरा आमंत्रण केवल औपचारिक शब्दों तक सीमित न रहे।

यदि आप सीमित आय में अपना घर चलाते हैं, दिहाड़ी पर काम करते हैं, रोज़गार तलाश रहे हैं या परिवार का खर्च पूरा करने के लिए एक से अधिक काम करते हैं, तो यह आमंत्रण आपके लिए है। खेती और पशुपालन करने वाले, खेतिहर मज़दूर, मछुआरे, बुनकर और कारीगर भी इसमें शामिल हैं। निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले मज़दूरों, राजमिस्त्रियों, बढ़इयों, प्लंबरों, बिजली मिस्त्रियों, मशीन चालकों, पर्यवेक्षकों और अभियंताओं का भी स्वागत है।

यदि आप वाहन चलाते हैं, सामान पहुँचाते हैं, किसी घर, कार्यालय या सार्वजनिक स्थान की सफ़ाई और देखरेख करते हैं, सुरक्षा की ज़िम्मेदारी निभाते हैं या होटल और रसोई में काम करते हैं, तो मेरा निवेदन आपसे भी है। अपनी सेवाएँ स्वतंत्र रूप से देने वाले और मरम्मत या रखरखाव का काम करने वाले साथी भी इस आमंत्रण में शामिल हैं।

व्यापार में यह निमंत्रण रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले साथियों, दुकानदारों और घर से कारोबार करने वालों से लेकर छोटे और मध्यम उद्यमों के संचालकों तक है। पारिवारिक व्यवसाय सँभालने वाले, नया उद्यम शुरू करने वाले, बड़ी कंपनियों के संस्थापक और शीर्ष उद्योगपति भी इसी आमंत्रण में शामिल हैं।

यदि आप निजी क्षेत्र में हैं, तो आप प्रशिक्षु हों, कार्यालय सहायक, लिपिक, तकनीशियन, कारखाने के कर्मचारी, बिक्री या ग्राहक सेवा से जुड़े साथी, पर्यवेक्षक, प्रबंधक, विभागाध्यक्ष, निदेशक या मुख्य कार्यकारी अधिकारी हों, आप अपनी रुचि से इसे पढ़ या सुन सकते हैं।

सरकारी और सार्वजनिक सेवाओं में यह आमंत्रण ग्राम पंचायत और नगर निकायों से लेकर राज्य और केंद्र सरकार के विभागों तक है। मैदानी कर्मचारियों, कार्यालय सहायकों और तकनीकी कर्मियों से लेकर वरिष्ठ तथा शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों तक, सभी का स्वागत है। रेलवे, डाक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उपक्रमों, पुलिस, अग्निशमन सेवाओं तथा सशस्त्र बलों में सेवारत और सेवानिवृत्त साथियों से भी मेरा यही निवेदन है।

शिक्षकों, चिकित्सकों, नर्सों, स्वास्थ्य सहायकों, वकीलों, लेखाकारों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, आईटी पेशेवरों, पत्रकारों, लेखकों, कलाकारों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी मैं स्वागत करता हूँ। यदि आप घर सँभालते हैं, बच्चों की परवरिश करते हैं या किसी बुज़ुर्ग, बीमार या दिव्यांग परिजन की देखभाल की ज़िम्मेदारी निभाते हैं, तो यह आमंत्रण आपके लिए भी उतना ही आत्मीय है।

आपका काम या आपकी परिस्थिति इनमें से किसी नाम में ठीक से व्यक्त न हो पाए, तो भी आप यहाँ अपने लिए जगह पाएँगे। एक पाठक या श्रोता के रूप में आपकी अपनी रुचि ही शुरुआत के लिए पर्याप्त है।

आप यह पुस्तक क्यों पढ़ें?

पढ़ने का सबसे अच्छा कारण आपकी अपनी जिज्ञासा हो सकती है। शीर्षक ने आपका ध्यान खींचा हो, तो शुरुआती अंश पढ़कर देखिए। वहाँ से आपको भाषा, लेखन की गति और बात कहने के ढंग का अंदाज़ होगा। यदि कुछ अनुच्छेदों के बाद आपको आगे पढ़ने की इच्छा हो, तो वह इच्छा अपने आप में पर्याप्त कारण है।

पाठ की अपनी सुविधा है। आप तय करते हैं कि आपको कितनी देर और किस गति से पढ़ना है। कोई अनुच्छेद दोबारा देखना हो, किसी हिस्से पर थोड़ा अधिक समय देना हो या अगले दिन उसी जगह से आगे बढ़ना हो, तो यह सब आपके हाथ में रहता है। यदि आपके पास एक बार में कुछ ही मिनट हैं, तब भी शुरुआत की जा सकती है।

इसे अपनी पढ़ने की पसंद के आधार पर चुनिए। किसी परिचित ने इसे पसंद किया है, तो उसका अनुभव आपको इसे खोलकर देखने की वजह दे सकता है। आगे बढ़ने की वजह आपको स्वयं मिलेगी।

आप इसका ऑडियो क्यों सुनें?

यदि किसी रचना को आवाज़ के साथ ग्रहण करना आपको सहज लगता है, तो ऑडियो से शुरुआत कीजिए। दिन भर स्क्रीन पर काम करने के बाद आप शाम को कुछ देर सुनना पसंद कर सकते हैं। किसी के लिए टहलते समय सुनना सुविधाजनक है। किसी के लिए घर में बैठकर परिवार के किसी सदस्य के साथ सुनना अच्छा अनुभव हो सकता है।

ऑडियो चुनते समय शुरुआती कुछ मिनट पर्याप्त संकेत देते हैं। आवाज़ स्पष्ट सुनाई दे रही है, बोलने की गति सहज है और आप कही जा रही बात के साथ बने रह पा रहे हैं, तो उस माध्यम को थोड़ा और समय दीजिए। यदि भाषा के किसी हिस्से को अपनी गति से समझने में सुविधा हो, तो प्रकाशित पाठ भी आपके लिए उपलब्ध विकल्प है।

एक ही घर में पढ़ने और सुनने की पसंद अलग हो सकती है। यदि आप किसी परिचित के साथ कोई रचना साझा करना चाहें, तो उनकी सुविधा के अनुसार पाठ या ऑडियो भेज सकते हैं।

किन परिस्थितियों में आप इसे बाद के लिए रख सकते हैं?

कभी आप वेबसाइट पर किसी और उद्देश्य से आते हैं। उस समय आपको अपने काम की कोई जानकारी चाहिए, किसी परीक्षा की तैयारी करनी है या कोई ज़रूरी काम पूरा करना है। ऐसी स्थिति में अपनी प्राथमिकता को समय दीजिए। जब पढ़ने या सुनने की इच्छा और अवसर हो, तब आप यहाँ लौट सकते हैं।

कभी शुरुआती अंश देखकर आपको लगेगा कि इस समय किसी और विषय में आपकी अधिक रुचि है। ऐसा निर्णय लेना भी स्वाभाविक है। इसी तरह, यदि किसी परिचित ने बड़े आग्रह से लिंक भेजा हो, तो आप उनके स्नेह का सम्मान करते हुए भी रचना के बारे में अपना निर्णय स्वयं ले सकते हैं।

एक लेखक के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि पाठक और श्रोता अपनी इच्छा से उसकी रचना तक आएँ। इसलिए मेरा निमंत्रण स्वीकार करने का अर्थ पूरी पुस्तक पढ़ने या पूरा ऑडियो सुनने की कोई बाध्यता लेना नहीं है। आप जितना समय देना चाहें, उतना ही दीजिए।

शुरुआत कहाँ से करें?

IndianLegacies.com पर **‘एक सवाल अपने आप से’** और **‘स्मृतियों की अनुगूँज’** में से जो शीर्षक पहले आपका ध्यान खींचे, उसे खोलिए। उस रचना का जो स्वरूप उपलब्ध हो और आपकी सुविधा के अनुकूल हो, उसे चुनिए। कुछ अनुच्छेद पढ़िए या कुछ मिनट सुनिए। उसके बाद आप स्वयं तय कर सकेंगे कि उसी रचना के साथ आगे बढ़ना है, दूसरा शीर्षक देखना है या किसी और दिन लौटना है।

अपने समय में से कुछ समय निकालकर इस निवेदन को पढ़ने या सुनने के लिए आपका धन्यवाद।

संजय कुमार राय

© Sanjay Kumar Rai. All Rights Reserved.